भागीरथपुरा जलजनित घटना की पुनरावृत्ति रोकने के होंगे पूरे इंतजाम : सीएम

- लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, शुद्ध पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता
- मुख्यमंत्री ने घटना के संबंध में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ की संयुक्त बैठक
- अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन प्रभावित क्षेत्र का करेंगे भ्रमण

इंदौर. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को समीक्षा बैठक की. बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना की पृष्ठभूमि, वर्तमान स्थिति और अब तक की गई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि ऐसे इंतजाम सुनिश्चित किये जायेंगे जिससे की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो.

टैंकरों से शुद्ध जल उपलब्ध करवा रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में टैंकरों के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है. जलापूर्ति पुन: प्रारंभ होने पर कहीं भी लीकेज या संदूषण की आशंका पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से में जलापूर्ति शुद्ध पाई गई है, जबकि शेष हिस्सों में पुरानी एवं क्षतिग्रस्त लाइनों के कारण समस्या सामने आई है, जिन्हें दुरुस्त किया जा रहा है.

विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रारंभिक स्तर पर हुई किसी भी प्रकार की लापरवाही की जांच की जा रही है. विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा, एक भी नागरिक को इस प्रकार का कष्ट न हो- यह हमारी जिम्मेदारी है. जो हुआ वह दुखद है, लेकिन इससे सबक लेकर भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सरकार पूरी दृढ़ता से कदम उठाएगी.

मंत्री व महापौर ने दिए सुझाव

बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये. बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्थिति के संबंध में जानकारी दी.

नगरीय प्रशासन संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव सीएम सचिवालय नीरज मण्डलोई, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव, एमआईसी मेम्बर अभिषेक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे. मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति पर सतत निगरानी एवं त्वरित निर्णय सुनिश्चित करने के लिए अपर मुख्य सचिव संजय दुबे को इंदौर में ही तैनात रहने के निर्देश दिए हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि नगर निगम की आवश्यकता को देखते हुए पर्याप्त अमला और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को मजबूत किया जा सके. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे स्वयं जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न अस्पतालों में जाकर मरीजों से मिले हैं और अधिकांश मरीजों की स्थिति स्थिर है.

मुख्यमंत्री ने प्रभावितों से किया संवाद, जाना हालचाल

- कलेक्टर को नि:शुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इंदौर में भागीरथपुरा में हुई घटना के प्रभावितों से मिलने बुधवार शाम को परदेशीपुरा स्थित वर्मा अस्पताल, नंदानगर स्थित बीमा अस्पताल,एमआईजी चौराहा स्थित डीएनएस अस्पताल, रेसकोर्स रोड़ स्थित शैल्बी अस्पताल, एम.वाय.अस्पताल सहित विभिन्न अस्पतालों में पहुँचे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावितों से अस्पताल में उपलब्ध कराए जा रहे उपचार तथा अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व निर्मित हुई स्थितियों के बारे में और उनके कामकाज आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी ली. उन्होंने चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों से चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की. उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदना के साथ त्वरित निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन ही सुशासन की पहचान है. मुख्यमंत्री ने प्रभावितों को भरोसा दिलाया और कहा कि चिंता न करें, सब कुछ अब ठीक होगा और आप भी पूर्णत: स्वस्थ होकर अपने घर सकुशल पहुँचोंगे. यहाँ आपको बेहतर से बेहतर नि:शुल्क उपचार दिया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि सभी प्रभावितों का नि:शुल्कन उपचार सुनिश्चित किया जाये साथ ही इसकी निगरानी भी हो. प्रभावितों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावितों और उनके परिजनों से कहा कि राज्य शासन आपके साथ है. मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा विशेषज्ञ और अस्पताल स्टाफ से भी चर्चा की. मुख्यमंत्री ने अधिकरियों और चिकित्सकों को निर्देश दिये कि वे अस्पताल में भर्ती प्रभावितों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रखें. प्रभावितों को बेहतर से बेहतर सुविधाएँ, नि:शुल्क दवायें, इंजेक्शन,जाँच और पोष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाये.

162 मरीज अस्पतालों में भर्ती, 21 टीमें मैदान में, 26 आईसीयू में

- 7,992 घरों का हुआ सर्वे, 39,854 लोगों की जांच पूरी

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैले संक्रमण को लेकर बुधवार को भी सघन उपचार और सर्वे अभियान जारी रहा. हालात की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ाया है. कलेक्टर के निर्देश पर संक्रमण फैलने की आशंका वाले आसपास के क्षेत्रों को भी कवर करते हुए 21 मेडिकल और सर्वे टीमें बनाई हैं. इनमें डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, एएनएम, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं.

सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसानी ने बताया कि टीमें घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही हैं और उबला पानी पीने, बाहर का खाना और कटे फल न खाने की समझाइश दे रही हैं. वहीं किसी भी संदिग्ध मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 11 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं, जबकि क्षेत्र में 24 घंटे चिकित्सकों की ड्यूटी लगा दी गई है. वहीं गंभीर मरीजों को एमवाय अस्पताल, अरविंदो अस्पताल और बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में रेफर किया जा रहा है. निजी अस्पतालों में जाने वाले मरीजों के लिए भी नि:शुल्क इलाज, जांच और दवाओं के निर्देश हाई कमान ने दिए हैं. डॉक्टर हसानी ने यह भी बताया कि अब तक 7,992 घरों का सर्वे किया जा चुका है, जिसमें 39,854 लोगों की जांच की. इस दौरान 2,456 संदिग्ध मरीज मिले, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार दिया. अब तक 212 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा चुका है. जिनमें से 50 को डिस्चार्ज हो चुके है, फिलहाल 162 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि 26 मरीज आईसीयू में उपचाररत हैं. प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने भागीरथपुरा पहुंचकर हालात का जायजा लिया. अधिकारियों ने प्रभावित लोगों से चर्चा की और मौके पर चल रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली. कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि अब तक गंदा पानी पीने से बीमार चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मौतों का आंकड़ा आज 12 हो गया है. उन्होंने कहा कि बीमार लोगों के बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है. घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों के साथ राजस्व अधिकारियों को भी समन्वय के लिए तैनात किया है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी निजी अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित कराया जा रहा है. प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं और क्षेत्र में सतत निगरानी की जा रही है.

311 ऐप पर 112 गंदे पानी व 80 लीकेज की शिकायत

- पिछले दो महीनों में 350 से ज्यादा पानी की शिकायत
- अधिकारी शिकायतों की संख्या घटाते दिखे

इंदौर। नगर निगम ने 311 एप पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से रहवासियों ने नर्मदा जल वितरण को लेकर गंदे पानी और लीकेज की शिकायत दर्ज की। उक्त शिकायतों का निगम के अधिकारियों ने निराकरण नहीं किया। इसके बाद भागीरथपुरा में कांड हो गया और अधिकारी 311 एप पर दर्ज शिकायतों की संख्या घटाने नजर आए।

नगर निगम में सीएम हेल्पलाइन को तरह ही महापौर हेल्प लाइन या निगम हेल्प लाइन 311 ऑनलाइन एप है। उक्त 311 एप पर पिछले दो महीनों में 350 से ज्यादा शिकायत सिर्फ नर्मदा जल वितरण की समस्या को लेकर की गई हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से रहवासियों ने गंदा पानी सप्लाई, लीकेज और पानी नहीं आने के शिकायत निगम एप 311 पर दर्ज करवाई। इसमें से 112 शिकायत सिर्फ गंदा, बदबूदार और ड्रेनेज मिला पानी आने की गई है। साथ ही 80 शिकायत नर्मदा लाइन में लीकेज होने की भी की गई।

शहर में 311 एप के लिए प्रचारित किया गया था कि उक्त एप पर शिकायत करने पर समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा। 311 पर 112 गंदे पानी की शिकायत वाली संख्या बता रही है कि शहर में सिर्फ भागीरथपुरा ही नहीं, बल्कि शहर के कई क्षेत्रों में दूषित पानी की समस्या से जनता परेशान है।

अधिकारियों ने निराकरण करने के बजाय अनदेखी की

उक्त गंदे पानी की समस्या का निगम नर्मदा प्रभारी अधिकारियों ने निराकरण करने के बजाय अनदेखी की, जिसका नतीजा भागीरथपुरा कांड हो गया। निगम के नर्मदा प्रभारी , जो वर्षों से यहां टिके हुए हैं, उनके विषय में कई पार्षद वरिष्ठ अधिकारी को शिकायत कर चुके है, लेकिन आज तक उन पर कोई कारवाई नहीं हुई। आज सिटी बस कार्यालय में एक बात और देखने में आई कि निगम के दो बड़े अधिकारी 311 एप की शिकायतों संख्या को कम करते दिखाई दिए। ये आईसीसीसी कार्यालय में ऑपरेटरों को निर्देश दे रहे थे कि एक नया पेज बनाए, जिसमें हर जोन की शिकायत को उनके क्षेत्रीय नर्मदा अधिकारी को भेज दी गई। साथ ही झोन के नर्मदा उपयंत्री और सहायक यंत्री के खिलाफ लापरवाही और जिम्मेदारी तय कर उन पर दोषारोपण किया जा सके।

गंदे पानी कांड में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने थाने पहुंचे कांग्रेसी

- महापौर, आयुक्त सहित दोषियों पर दर्ज हो गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में गंदगी मिले पानी से दस लोगों की मौत हो जाने के मामले में आज बड़ी संख्या में कांग्रेसी अपराधिक मुकदमा दर्ज कराने बाणगंगा पुलिस थाने पहुंचे. कांग्रेस ने महापौर और आयुक्त सहित दोषी अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने का आवेदन दिया.

भागीरथपुरा में पीने का गंदा पानी सप्लाई करने के कारण 10 लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं. उक्त मामले को लेकर आज शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में कांग्रेस के नेता अपराधिक प्रकरण दर्ज करवाने के लिए पुलिस थाना बाणगंगा पर पहुंचे. इस मौके पर डीसीपी राम स्नेही मिश्रा को शिकायत पत्र में कांग्रेस ने मांग की है कि भागीरथपुरा क्षेत्र में नगर निगम के अधिकारियों कर्मचारियों की लापरवाही से क्षेत्र के नागरिकों को गंदा और बदबूदार पानी वितरित किया गया. इसके कारण लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर बीमार है. उक्त सभी मौत नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई है. कांग्रेस ने शिकायत में कहा कि ऐसे में आवश्यक है कि उक्त घटनाक्रम के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम आयुक्त दिलीप यादव, निगम जल समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा (बबलू), निगम अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, पेयजल प्रभारी इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव और क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला के खिलाफ बीएनएस की धारा 304 ए, 326, 284 के साथ जल प्रदूषण निवारण और नियंत्रण अधिनियम 1974 की धारा 32 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई. इस मौके पर शहर कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के प्रभारी दीपू यादव, जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, सत्यनारायण पटेल, राजेश चौकसे, राजा चौकसे, पार्षद राजू भदौरिया, सादिक ख़ान, सुदामा चौधरी, अमित पटेल, अनसाफ़ अंसारी, अनवर दस्तक, रफीक ख़ान, अमन बजाज, शैलेश गर्ग, देवेंद्र यादव, रीता डागरे, किरण जिरेती, प्रवेश यादव, राजेश शर्मा, ठाकुर जितेंद्र सिंह, साधना भंडारी, संजय बाकलीवाल, शैलू सेन, विशाल चतुर्वेदी, दानिश ख़ान ब्लॉक अध्यक्ष कुमायू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे.

प्रदेश कांग्रेस ने भागीरथपुरा कांड जांच कमेटी बनाई

इंदौर। इंदौर में अनेक लोगों के गंदा पानी सप्लाई होने से बीमार होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जांच कमेटी बनाई है। 5 सदस्यीय समिति 5 जनवरी तक जांच कर रिपोर्ट तैयार करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर के भागीरथपुरा कांड को लेकर समिति बनाई है, जिसमें 5 वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया है। उक्त समिति दूषित पानी से 10 लोगों की मृत्यु और एक हजार से ज्यादा बीमार लोगों परिजनों से मुलाकात करेगी। पांच सदस्यीय समिति में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और विधायक जयवर्धन सिंह, भंवरसिंह शेखावत, महेश परमार और प्रताप ग्रेवाल को शामिल किया गया है। उक्त कमेटी भागीरथपुरा में रहवासियों और पीड़ितों से चर्चा कर गंदे पानी की समस्या की पूरी जानकारी लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। 5 जनवरी को समिति प्रदेश कार्यालय में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

प्रदेश महिला कांग्रेस ने संजीवनी क्लिनिक पर किया प्रदर्शन

इंदौर. शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में गंदे पानी से सैंकड़ों बीमार होने पर प्रदेश महिला कांग्रेस ने क्षेत्र के संजीवनी क्लिनिक पर प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मुआवजा राशि बढ़ाने और निगम अधिकारियों पर कारवाई की मांग की है. प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस ने जमकर भाजपा सरकार और परिषद के खिलाफ नारेबाजी की.

प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के नेतृत्व में आज भागीरथपुरा में स्थित संजीवनी क्लिनिक पर प्रदर्शन किया गया. प्रदर्शन के समय महापौर संजीवनी क्लिनिक में मौजूद थे. इस दौरान महिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा सरकार और स्थानीय बीजेपी परिषद के खिलाफ खूब नारेबाजी की गई. महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने कहा कि 8 में से 6 महिलाओ की मौत हुई है। सरकार झूठ बोल रही है कि निशुल्क उपचार किया जा रहा है. एक महिला को 40 हजार रुपए इलाज के देना पड़े है. वही मृतकों को मुख्यमंत्री 2 लाख देने का कह रहे है. हमारी मांग है कि मृतकों को 8 - 8 लाख रुपए दिए जाए. साथ निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और संजीव श्रीवास्तव पर कारवाई की जाए.

अलर्ट क्षेत्र में लगातार बनी हुई है सीवरेज समस्या, लाइन बार-बार चौक होने से घरों में वापस आने लगता है गंदा पानी

शहर के संयोगितागंज में कभी भी हो सकता है भागीरथपुरा जैसा कांड

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी के तांडव ने पूरे शहर को दहशत में ला दिया है. भागीरथपुरा जैसी स्थिति शहर के अनेक हिस्सों में व्याप्त है. शहवासी सीवरेज लाइन की समस्या से भी जूझ रहे हैं. सीवरेज लाइन की गंभीर समस्या संयोगितागंज क्षेत्र में भी लगातार बनी हुई है. सीवरेज लाइन चौक होने के साथ ही आसपास के इलाकों में सीवरेज लाइन बार-बार चौक हो जाती है, जिससे गंदा पानी घरों में वापस आने लगता है. कई स्थानों पर चैंबर ओवरफ्लो होकर सडक़ों पर बह रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है. लोगों का कहना है कि इसे शीघ्र दुरुस्त नहीं किया गया तो भागीरथपुरा जैसे कांड की पुनरावृत्ति यहां हो सकती है.

मामला वार्ड क्रमांक 55 से सामने आया है. यह वार्ड संयुक्त संयोगितागंज छावनी में आता है क्षेत्र के नारायण दूध वाले मार्ग की गली नंबर 7-8 में सीवरेज लाइन की गंभीर समस्या सामने आई है. सडक़ों पर बहती सीवरेज की गंदगी के कारण बदबू के साथ-साथ मच्छर, मक्खी और अन्य कीड़े-जंतु पनप रहे हैं. स्थानीय रहवासियों का कहना है कि इस स्थिति के चलते पेट से जुड़ी बीमारियां, त्वचा रोग और संक्रमण फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है. बावजूद इसके कई बार शिकायत करने के बाद भी सीवरेज लाइन की सफाई और मरम्मत नहीं की गई. हाल ही में भागीरथपुरा में दूषित पानी की घटना ने लोगों की चिंता जरूर बढ़ाई है, लेकिन संयोगितागंज में प्राथमिक समस्या सीवरेज लाइन की बदहाली ही बनी हुई है. रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवरेज लाइन की तत्काल जांच कर सफाई और सुधार कार्य कराए जाएं, ताकि गंदगी और बीमारियों से क्षेत्र को बचाया जा सके.

क्या कहते हैं रहवासी...

सीवरेज लाइन से होने वाली समस्याओं से क्षेत्र के रहवासी पिछले कई समय से काफी परेशानियां उठाते आ रहे हैं. बार-बार सफाई होने के बावजूद चेंबर से गंदगी बहती रहती है.

- अर्पित मगरे

हाल ही में हुई भागीरथपुरा की दुखद घटना से लोगों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है. इसको देखते हुए नगर निगम को जल्दी कड़े कदम उठाना चाहिए.

- पंकज मित्तल

लाइन पुरानी हो चुकी है, जिसकी मरम्मत जल्दी करनी चाहिए. इस कारण नलों से बहुत गंदा और बदबूदार पानी आता है. जरासी चूक होने पर बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है.

- मोहम्मद आसिफ खोकर

अधिकारियों ने अटका रखी है सीवरेज लाइन संबंधी फाइल

सीवरेज लाइन के लिए फाइल लगा रखी है, लेकिन आगे से अधिकारी साइन नहीं कर रहे हैं. मैं पूरा प्रयास कर रही हूं, ताकि लोगों की समस्याओं का निराकरण हो सके.

- पंखुड़ी जैन, पार्षद